उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा किया जाना

714. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने संबंधी कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है : और

(ख) इस संबंध में सरकार ने क्या-क्या कदम उठाए हैं ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) जी हां। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने के लिए सरकार के पास विचाराधीन प्रस्तावों का ब्यौरा इस प्रकार है :—

(i) रा०रा० 2 को 148.33 कि० मी० से 199.66 कि०मी० (पहुंच मार्गों सहित) तक चौड़ा करके 4 लेन का बनाना।

(ii) रा० रा० 24 को 28 कि० मी० से 48.6 कि०मी० तक (पहुंच मार्गों सहित) चौड़ा करके 4 लेन का बनाना।

(ख) उपर्युक्त परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य अभी चल रहा है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और मरम्मत

715. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान केन्द्रीय सरकार को राष्ट्रीय राजमार्गों के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार से कितने प्रस्ताव मिले हैं और ये किन-किन क्षेत्रों से संबंधित हैं ;

(ख) स्वीकृत किए गए प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है और उपर्युक्त प्रस्तावों के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई थी ;

(ग) राज्य सरकार को कितने प्रस्ताव संशोधनार्थ लौटाए गए ; ;

(घ) सरकार द्वारा प्राप्त संशोधित प्रस्तावों की संख्या कितनी है, और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(ङ) शेष प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है जिनकी जांच चल रही है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) 125. ये राज्य के उन सभी क्षेत्रों से संबंधित हैं जिनमें से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं।

(ख) वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान अनमोदित प्रस्तावों और स्वीकृत राशियों के ब्यौरे निम्न प्रकार है :—

वर्ष	संस्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	संस्वीकृत राशि (लाख रु.)
1991–92	41	1196.55
1992–93	1	355.58

(ग) 75

(घ) 3

(ङ) शेष प्रस्ताव कार्रवाई के विभिन्न चरणों में है और तकनीकी ब्यौरों के लिए राज्य सरकार से परामर्श भी किया जा रहा है।